fb.me/NavaBharat.Social
twitter.com/Nava_Bharat
youtube.com/NavaBharatYT

नव भारत

खेल

सतना | बुधवार | 4 अगस्त 2021 | वर्ष 27 | अंक 169 | पृष्ठ 08 | मूल्य रु. 4.00 | www.navabharat.com

अवैध और मिलावटी शराब बेचने वालों को आजीवन कारावास और मौत की भी सजा

कैबिनेट में आबकारी संशोधन विधेयक सहित कई प्रस्तावों को हरी झंडी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 3अगस्त. राजधानी भोपाल में सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंगलवार को कैबिनेट बैठक सम्पन्न हुई. बैठक में आबकारी संशोधन विधेयक 2021 सहित कई अहम प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई. इसके तहत अवैध शराब बेचने वालों को आजीवन कारावास और मृत्युदंड जैसे कड़े दंड तक का प्रावधान किया गया है.

गृह मंत्री और सरकार के प्रवक्ता नरोत्तम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि

वाणिज्यिक कर विभाग के आबकारी नियमों में किए गए संशोधन के तहत अब हेरिटेज मदिरा नाम की एक नई श्रेणी जोड़ी गई है जिसके तहत अवैध शराब पाए जाने पर आजीवन कारावास और मृत्युदंड का प्रावधान किया जा सकेगा. उसके साथ ही शराब की अलग-अलग श्रेणियों पाए जाने पर अलग-अलग सजा देने का भी प्रावधान है. अभी 5 से 10 साल तक की सजा होती है.इसके साथ ही शराब पकड़ने गए अमले पर हमला करने पर भी बिना वारंट की गिरफ्तारी आरोपियों की की जा सकेगी. इसी तरह प्रदेश में लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों के निवेश का दायरा बढ़ाने के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिली है .निवेश सीमा बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए किया जा रहा है.

फैसले एक नजर में

- अवैध शराब पकड़ने के दौरान किसी ने बाधा डाली तो बिना वारंट के गिरफ्तारी का अधिकार आबकारी अफसरों को होगा
- इसी तरह अधिकतम 10 लाख रुपए तक के जुर्माने को 20 लाख किया गया है.
- अवैध शराब की बिक्री को रोकने सख्त सजा. अभी तक 2 से 6 माह तक की सजा का को बढ़ाकर 6 साल किया गया है.
- शराब से शारीरिक नुकसान होने के मामले में आरोपी को 4 माह से 4 साल तक की सजा को बढ़ाकर 6 से 8 साल तक .
- दूसरे राज्यों से आ रही अवैध शराब की रोकथाम के लिए संबंधित राज्यों से मध्यप्रदेश सरकार बात करेगी.
- डिस्टलरी नियम के खिलाफ काम करेगी तो उस पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी.
- प्रदेश में लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों के निवेश का दायरा बढ़ाने के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी.
- निवेश सीमा बढ़ाकर 50 करोड़ रु किया गया है. वर्तमान में केवल 10 करोड़ के निवेश वाले उद्योग ही इस दायरे में आते हैं.
- अब 50 करोड़ के प्लांट व 250 करोड़ का कारोबारी उद्योग को एमएसएमई की श्रेणी में रखने का फैसला किया गया है.
- डायल 100 की सेवाओं को 2025 से बढ़ाकर 2027 तक बढ़ाया गया.
- बीना रिफाइनरी के सहयोग से बीना में अस्थायी कोविड अस्पताल का संचालन.
- सिंगरौली में नया आईटीआई खोले जाने के प्रस्ताव की स्वीकृति.

नज़रनामा

आत्मबल से कर्म करना...

आत्मबल से कर्म करना
यह बना लो ध्येय अपना
लाभ इसका होगा यह कि
तब न तुम भ्रम में पड़ोगे
जीत यदि तुम चाहते हो
जीत तब निश्चित मिलेगी-
जीत का जज़्बा लिए जब
हार से जमकर लड़ोगे!

- अज़हर हाशमी

एक नजर में

राजकुमार राव और जान्हवी की जोड़ी फिर मचायेगी धूम

मुंबई. बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर फिर धूम मचाती नजर आ सकती है. राजकुमार राव और जान्हवी कपूर ने फिल्म 'रूही' में साथ काम किया है. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली जुली प्रतिक्रिया मिली थी. अब राजकुमार और जान्हवी की जोड़ी एक बार फिर साथ में काम करती नजर आएगी. इस फिल्म को जान्हवी कपूर की फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' का निर्देशन करने वाले शरण शर्मा बना रहे हैं. बताया जा रहा है कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार है और यह क्रिकेट पर बनी एक काल्पनिक कहानी है. बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी शूटिंग शुरू कर दी जाएगी.

कारोबार

बीएसई सेंसेक्स 53823.36 (+872.73)
एनएसई सेंसेक्स 16130.80 (+245.60)
विदेशी मुद्रा
डॉलर 74.44 यूरो- 88.52
सोना-चांदी
47867 - 67780

तापमान

नगर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	24.0	22.0
इंदौर	23.0	21.0
जबलपुर	27.0	23.0
ग्वालियर	27.0	25.0

गुस्ताखी माफ

कीर्ति गुप्ता बनी टॉपर

ढाई लाख से ज्यादा छात्रों को 90 फीसदी से ज्यादा अंक

नोएडा, 3 अगस्त. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) क्लास 10 का रिजल्ट आज जारी कर दिया गया है. सीबीएसई ने 10वीं परिणाम की घोषणा दोपहर 12 बजे से पहले की. बोर्ड परीक्षा में नोएडा की छात्रा देश में टॉपर बनी है.

सीबीएसई 10वीं का परीक्षा परिणाम, कीर्ति को मिले 99.4 पर्सेंट मार्क्स

सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा में ग्रेटर नोएडा के एस्टर पब्लिक स्कूल की कीर्ति गुप्ता ने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं. सौ फीसदी नंबरों से महज .6 पर्सेंट दूर कीर्ति को जमकर बधाइयां मिल रही हैं. इस बार सीबीएसई 10वीं में देशभर से कुल 2,58,786 स्टूडेंट्स को 90 फीसदी से ज्यादा अंक मिले हैं. इनमें से 2,00,962 स्टूडेंट्स को 90 से 95 फीसदी के बीच मार्क्स मिले हैं. शेष 57,824 छात्र-छात्राओं ने 95 फीसदी से ज्यादा स्कोर किया है.

इस साल लगभग 20 लाख से ज्यादा छात्रों ने सीबीएसई 10वीं परीक्षा 2021 के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था. छात्रों के परिणाम बिना परीक्षा के घोषित किए गए हैं. कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमित मामलों के चलते, केंद्र सरकार ने बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी थीं. बोर्ड रिजल्ट, ऑब्जेक्टिव इवैल्यूएशन क्राइटेरिया के आधार पर घोषित किए गए हैं.

इंस्टीट्यूशन वाइस पास प्रतिशत

केवी - 100, जेएनवी - 99.99, सीटीएसए - 100, स्वतंत्र - 99.57, सरकार - 96.03, सरकारी सहायता प्राप्त - 95.88

यह है रिजन वाइस पास प्रतिशत

त्रिवेंद्रम - 99.99, बेंगलुरु - 99.96, चेन्नई - 99.94, पुणे - 99.92, अजमेर - 99.88, पंचकुला - 99.77, पटना - 99.66, भुवनेश्वर - 99.62, भोपाल - 99.47 चंडीगढ़ - 99.46, देहरादून - 99.23, प्रयागराज - 99.19, नोएडा - 98.78, दिल्ली पश्चिम - 98.74, दिल्ली पूर्व - 97.80, गुवाहाटी - 90.54

ऐसा रहा कक्षा 10वीं का परिणाम

लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत- 98.89 फीसदी, लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत - 99.24 फीसदी, ट्रांसजेंडर का पास प्रतिशत- 100 फीसदी, 95 फीसदी और उससे अधिक वाले छात्रों की संख्या- 57,824

एक बार फिर छात्राएं आगे

इस बार भी सीबीएसई 10वीं में छात्राओं की सफलता का प्रतिशत छात्रों के ज्यादा है. सीबीएसई क्लास 10 रिजल्ट 2021 में कुल 98.89फीसदी छात्र पास हुए हैं. जबकि छात्राओं का पास प्रतिशत 99.24फीसदी है. वहीं ट्रांसजेंडर्स का पास प्रतिशत 100 फीसदी है.

16 अगस्त से होगी कंपार्टमेंट परीक्षा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आज दोपहर 12 बजे सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है. 2,112,767 से अधिक पंजीकृत छात्रों के लिए परिणाम घोषित किया गया है. लगभग 17,636 छात्रों के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा 16 अगस्त से 15 सितंबर, 2021 तक आयोजित की जाएगी.

ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद साइकिल से संसद पहुंचे राहुल

नई दिल्ली, 3 अगस्त. पेगासस जासूसी मुद्दे को लेकर कार्यवाही बाधित होने और संसद में विरोध प्रदर्शन के बीच और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह विपक्ष के नेताओं की ब्रेकफास्ट मीटिंग की. इस सप्ताह यह ऐसी दूसरी बैठक थी.

कोरोना महामारी को हैंडल करने में सरकार की कथित नाकामी और किसान आंदोलन इस बैठक में चर्चा के अन्य मुद्दे थे. बैठक संसद के बाहर मॉक पार्लियामेंट आयोजित करने के विकल्प पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी. नए कृषि कानूनों के खिलाफ संसद तक सरप्राइज ट्रैक्टर मार्च के करीब एक सप्ताह बाद 51 वर्षीय राहुल ने साइकिल की सवारी करके पेट्रो उत्पादों की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया. उन्होंने अन्य सांसदों से भी इसमें भागीदारी का आग्रह किया. राहुल ने कहा, साइकिल से संसद पहुंचकर हम हम इस मुदे पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं. इस दौरान कुछ अन्य नेता भी साइकिल पर सवारी करते नजर आए. तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, एनसीपी की सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत और डीएमके की कनिमोझी उन नेताओं में शामिल थीं जिन्होंने विपक्ष की इस मीटिंग में हिस्सा लिया.

विपक्ष का आक्रामक अंदाज

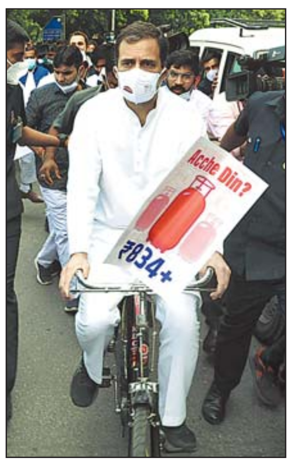

विपक्ष ने किया संसद का अपमान : मोदी

नई दिल्ली, 3 अगस्त. पेगासस स्कैंडल और कृषि कानूनों के मुद्दे को लेकर संसद सत्र की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है. कोशिशों के बावजूद सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध दूर नहीं हो सका है.

मंगलवार को संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा.यह संसद, संविधान, लोकतंत्र और देश की जनता का अपमान है.संसद की कार्यवाही के दौरान एक कैबिनेट मंत्री से पेपर छीनने और तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओब्रायन के पापड़ी चाट कमेंट का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि संसद का अपमान किया गया है. इससे पहले, 27 जुलाई को भी बीजेपी संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि यह पार्टी सदन नहीं चलने दे रही.

गोगरा इलाके से पीछे हटेंगे भारत और चीन के सैनिक

नई दिल्ली, 3 अगस्त. पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध दूर करने की दिशा में लंबे समय बाद सकारात्मक संकेत मिले हैं. दोनों ही देशों की सेनाएं गोगरा इलाके से पीछे हटने को राजी हो गई हैं.

भारत-चीन के बीच 12वें दौर की कोर कमांडर लेवल की बातचीत में दोनों ही पक्ष पट्रोलिंग पॉइंट 17-A से पीछे हटने के लिए तैयार हुए हैं. पूर्वी लद्दाख सेक्टर में इस पट्रोलिंग पॉइंट को लेकर दोनों ही देशों में गतिरोध बना हुआ था. सूत्रों के हवाले से बताया है कि कोर कमांडर लेवल की 12वें दौर की बातचीत में दोनों ही पक्षों में पीपी-17 ए से पीछे हटने को लेकर समझौता हुआ है. पट्रोलिंग पॉइंट 17-ए को गोगरा के नाम से जाना जाता है. हालांकि अकेले इस कदम से पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच टकराव खत्म होने की संभावना नहीं है क्योंकि कुछ और पॉइंट्स पर तनातनी की स्थिति बनी हुई है.

लद्दाख में अभी खत्म नहीं होगा टकराव

केवि में प्रवेश : सांसदों को छोड़ सबका कोटा खत्म

नई दिल्ली, 3 अगस्त. केंद्रीय विद्यालयों में अब सांसदों के 10 कोटे के इतर किसी नेता या मंत्री की सिफारिश पर बच्चों के एडमिशन नहीं हो पाएंगे. केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय का कोटा खत्म करने का फैसला किया है. सूत्रों के मुताबिक, अब सिर्फ सांसदों के पास ही अपने क्षेत्र में 10 एडमिशन कराने का अधिकार बचा है. यूपीए सरकार में कपिल सिब्बल के शिक्षा मंत्री रहते हुए उस वक्त भी ऐसा ही फैसला लिया गया था लेकिन तब विरोध के बाद यह फैसला वापस ले लिया गया था. अब केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालयों में एडमिशन में सांसदों के अलावा बाकी सब कोटा खत्म करने का फैसला किया है.

चंबल खतरे के निशान पर, नैपरी पुल में दरार

1971 के बाद क्वारी नदी ने मचाई तबाही, 20 गांव बाढ़ में घिरे

नवभारत न्यूज

मुरैना, 3 अगस्त. बारिश के मौसम में कोटा वैराज से छोड़े जाने वाले पानी की वजह से हर साल चंबल नदी में बाढ़ आती थी. लेकिन 1971 के बाद ऐसा पहली बार हुआ कि चंबल के बाद अंचल की दूसरी सबसे बड़ी नदी क्वारी में बाढ़ आ गई.

क्वारी नदी अपने सामान्य जलस्तर से 10 मीटर ऊपर बह रही है. इसकी वजह से कैलारस-जौरा क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए है. चंबल नदी भी खतरे के निशान 138 मीटर से 3 मीटर ऊपर पहुंच गई. इसकी वजह से सबलगढ़, जौरा के सिकरवारी और अंबाह के कुल 8 से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घुसने का डर पैदा हो गया. अंबाह के 4 गांवों से तो बाढ़ के डर से ग्रामीण खुद ही सिर पर घर-गृहस्थी का सामान रखकर सुरक्षित ठिकाने की तलाश में निकल गए.

शिवपुरी-श्योपुर में हो रही तेज बारिश के पानी की वजह से श्योपुर क्षेत्र में बहने वाली अहेली, सीप, सराई, पारम, धोनी, कूनो में पहुंच रहा है. इन नदियों का पानी चंबल में आ रहा है. वहीं विजयपुर में हो रही हैवी बारिश का पानी क्वारी में पहुंच रहा है, जिसकी वजह से कवारी नदी में 50 साल बाद बाढ़ जैसे हालात बने हैं.

नए अंदाज में विपक्षी एकजुटता बनाने जुटे हैं राहुल

नई दिल्ली, 3 अगस्त. वैसे तो पिछले कई वर्षों से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी विभिन्न मुद्दों पर मोदी सरकार से सीधे टक्कर लेते रहे हैं लेकिन इन दिनों जिस तरह से विपक्षी नेताओं को एकजुट कर आक्रामकता के साथ विपक्ष का नेतृत्व करते हुए सरकार के खिलाफ मोर्चाबंदी में लगे हैं, उसको लेकर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है.

विशेष
प्रवेश कुमार मिश्र

राजनीतिक जानकार भी राहुल गांधी के इस बदले अंदाज में भविष्य ढूंढना आरंभ कर रहे हैं. संसद के मानसून सत्र के आरंभ से ही जिस तरह से राहुल गांधी ने जासूसी प्रकरण पर विपक्षी एकजुटता को नेतृत्व देते हुए सरकार पर दबाव बनाकर किसानों के मुद्दे को लेकर संसद तक ट्रेक्टर चलाकर गए और महंगाई के खिलाफ साईकल यात्रा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, वह निश्चित रूप से राहुल की बदलती रणनीति का बेहतर प्रमाण है. इतना ही नहीं लगातार विपक्षी नेताओं के साथ मंत्रणा और ब्रेक फास्ट डिप्लोमेसी के तहत राहुल गांधी ने यह प्रमाणित करने का प्रयास किया है कि वे भविष्य में एक बड़े गठजोड़ के साथ सरकार के खिलाफ खम ठोकने को तैयार हैं. राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अस्वस्थता के बाद राहुल गांधी कांग्रेस संगठन के अंदर पूर्व की कोठरी से बाहर निकलकर अपने दायरे के विस्तार में बढ़ चले हैं. सूत्र बता रहे हैं कि जिस ग्रुप 23 के कारण पिछले दिनों संगठन के अंदर व बाहर बवाल मचा हुआ था उस ग्रुप के नेताओं को दरकिनार करने के बजाय राहुल गांधी वृहद आयाम के साथ उन वरिष्ठ नेताओं के साथ बहुस्तरीय मंत्रणा भी कर रहे हैं. बहरहाल, राहुल गांधी के इस प्रयास से यह संकेत मिल रहा है कि भाजपा व राजग के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के पहले राहुल गांधी न सिर्फ दल के अंदर के अंतर्विरोध को समाप्त करने को प्राथमिकता दे रहे हैं बल्कि विपक्षी दल के वरिष्ठ नेताओं को भी साधने में जुट गए हैं.

राहुल की बदलती रणनीति का बेहतर प्रमाण